फ्रेट विलेज निर्माण को आइडब्ल्यूएआइ और एनएचएलएमएल के बीच अनुबंध

अप्रैल से होगा कार्य, सड़क और रेल कनेक्टिविटी से मिलेगा जल परिवहन को बढ़ावा

150 एकड़ में विकसित होगा फ्रेट विलेज कारोबारियों को मिलेगी सुविधाएं | **300** औद्योगिक इकाइयों को रामनगर क्षेत्र में योजना का मिलेगा लाभ

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बनारस के रामनगर मल्टी माडल टर्मिनल के समीप विकसित होने वाले फ्रेट विलेज के लिए मंगलवार को दिल्ली में आइडब्ल्यूएआइ (भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण) और एनएचएलएमएल (नेशनल हाईवे लाजिस्टिक मैनेजमेंट लिमिटेड) के बीच अनुबंध हुआ है। दोनों मंत्रालयों के कैबिनेट मंत्री सर्वानंद सोनेवाल और नितिन गडकरी ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। फ्रेट विलेज का निर्माण करने की जिम्मेदारी एनएचएलएमएल को दी गई है, जो अप्रैल से शुरू होगा।

रामनगर फ्रेट विलेज की रोड कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए इसे दो राष्ट्रीय राजमार्गों से भी जोड़ा जाएगा। वाराणसी से कन्याकुमारी राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-7) और दिल्ली से कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-2) से जोड़ने के लिए बेहतर सड़कें बननी हैं, साथ ही रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए ताहिरपुर, गोपालापुर और हमीदपुर होते हुए जीवनाथपुर रेलवे लाइन तक करीब 5.1 किलोमीटर लंबा रेलवे का ट्रैक बिछाया जाएगा। जीवनाथपुर रेलवे स्टेशन पर डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर से कनेक्ट करते हुए अलग प्लेटफार्म तैयार किया जाएगा। फ्रेट कारिडोर में वेयर हाउस, पैकेजिंग रैपिंग, कोल्ड स्टोरेज व कार्गो स्टोरेज के साथ ही प्रशासनिक भवन व कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण कराया जाएगा। फ्रेट विलेज निर्माण के बाद रोजगार के अवसर सहित तरह के व्यवसाय शुरू होने की संभावना है। परियोजना पूर्ण होने के बाद सड़क, रेल व जलमार्ग से यातायात सुविधा बहाल हो सकेगी। रामनगर क्षेत्र में 300 औद्योगिक इकाइयों को योजना का लाभ मिलेगा। उद्यमियों में योजना को लेकर उत्साह भी है।

रामनगर मल्टी माडल टर्मिनल बंदरगाह पर कार्य करते कर्मचारी। इसका लाभ फ्रेट विलेज को मिलेगा ● फाइल फ्रोटो